देश की कारोबारी संरचना वित्त वर्ष 2016-17 की तुलना में अब बिल्कुल अलग

स्वरोजगार में तेजी...उद्यमियों की संख्या सात साल में दोगुना बढ़कर 7 करोड़ पार

अजीत सिंह

नई दिल्ली। देश में पिछले कुछ वर्षों से कारोबारियों की संख्या में जबरदस्त तेजी दिखी है। खास बात यह है कि स्वरोजगार करने वालों की संख्या सात साल में बढ़कर दोगुनी हो गई है। 2016-17 में स्वरोजगार करने वालों की संख्या 3.61 करोड़ थी, जो 2023-24 में 7.06 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, 2016-17 में हर 100 कार्यरत व्यक्ति में से 13 लोग कारोबारी थे। 2023-24 में यह संख्या बढ़कर 20 पहुंच गई है। 2023-24 में कुल 42.36 करोड़ लोगों के पास काम था। इसमें से 8.66 करोड़ कारोबारी थे।

आंकड़ों के मुताबिक, व्यावसायिक संरचना सात साल पहले की तुलना में अब बिल्कुल अलग है। 2016-17 में छोटे व्यापारियों और दिहाड़ी मजदूरों की कुल कार्यबल में 42.4 फीसदी हिस्सेदारी थी। किसानों और वेतनभोगी कर्मचारियों का हिस्सा क्रमशः 21 फीसदी और 23 फीसदी था। व्यावसायिक व्यक्तियों की संख्या कुल रोजगार में सिर्फ 13 फीसदी थी।

सीएमआईई की रिपोर्ट

ऐसे बढ़ी स्वरोजगारों और कारोबारियों की संख्या

वित्त वर्ष	स्वरोजगार उद्यमी	कारोबारी	योग्य स्वरोजगार
2016-17	3.61 करोड़	1.60 करोड़	14 लाख
2017-18	4.64 करोड़	1.58 करोड़	09 लाख
2018-19	5.00 करोड़	1.96 करोड़	11 लाख
2019-20	5.77 करोड़	1.89 करोड़	13 लाख
2020-21	5.93 करोड़	1.54 करोड़	12 लाख
2021-22	6.03 करोड़	1.38 करोड़	11 लाख
2022-23	6.09 करोड़	1.34 करोड़	11 लाख
2023-24	7.06 करोड़	1.45 करोड़	15 लाख

100 कार्यरत लोगों में 20 कारोबारी थे बीते वित्त वर्ष में, 2016-17 में आंकड़ा 13 था

- रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में कुल कार्यबल में कारोबारी व्यक्तियों की हिस्सेदारी बढ़कर 20.4 फीसदी पर पहुंच गई है।
- **छोटे कारोबारियों व दिहाड़ी मजदूरों** का हिस्सा घटकर 30% के नीचे आ गया है।
- **वेतनभोगी कर्मचारियों** की संख्या में भी गिरावट आई। इनकी हिस्सेदारी 2023-24 में 21.8 फीसदी थी जो कोरोना महामारी के पहले के स्तर को पार कर गई है।

किसानों की हिस्सेदारी में इजाफा

2023-24 में कुल रोजगार में किसानों का अनुपात बढ़कर करीब 28 फीसदी हो गया। यह 2016-17 में 23 फीसदी था। सीएमआईई ने इस आंकड़े को तीन वर्गों में विभाजित किया है। इसमें कारोबारी, स्व-रोजगार और स्व-रोजगार उद्यमी शामिल हैं।

कारोबारियों का घटा अनुपात

सात वर्षों में व्यवसायियों का अनुपात काफी हद तक गिरकर 2023-24 में 16.7 फीसदी रह गया। दूसरी ओर, स्व-रोजगार उद्यमियों की हिस्सेदारी बढ़कर 81.5% पहुंच गई। व्यावसायिक व्यक्तियों के रूप में नौकरियों की बड़े पैमाने पर वृद्धि स्व-रोजगार उद्यमियों के बीच केंद्रित है। इसके उलट, बेहतर गुणवत्ता वाली नौकरियों जैसे व्यावसायियों व योग्य स्वरोजगार पेशेवरों में रोजगार सुस्त रहा है।